प्रारम्भिक सम्बोधन

माननीय सदस्यगण, पंचदश बिहार विधान सभा के दशम् सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर मैं आप सबों का अभिनन्दन करता हूँ ।

वर्त्तमान सत्र के दौरान राजकीय विधेयक, गैर-सरकारी संकल्प तथा वित्तीय वर्ष 2013-14 के प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी के व्यवस्थापन का कार्यक्रम निर्धारित है ।

संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली के विस्तार एवं प्रभावी होने के साथ विधायी निकायों का दायित्व बढ़ता जा रहा है, जिससे हम सभी की भूमिका अहम हो गई हैं । बिहार में आर्थिक, सामाजिक एवं सूचना प्राद्योगिकी के विकास के साथ जन-आकांक्षाओं एवं राजनीतिक चेतनाओं में वृद्धि हुई है । आम नागरिक अपने तथा अपने जन-प्रतिनिधियों के अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति अधिक जागरूक एंव सचेष्ट हो गये हैं । इसलिए सदन में सत्ता-रूढ़ दल का सकारात्मक एवं विपक्ष का सृजनात्मक भूमिका निवर्हन कर अपने विधायी एवं संसदीय कार्य क्षमता को प्रभावी बनाना होगा, जिससे राज्य में हो रहे विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके ।

सता पक्ष अथवा विपक्ष दोनों में से किसी को भी ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होने देना चाहिए, जिससे सभा की कार्यवाही बाधित हो या अव्यवस्थित हो । आपके रचनात्मक सहयोग से ही सभा में अनुशासन और शालीनता बनाये रखना सभ्भव हो सकेगा, जिससे लोकतंत्र के इस सर्वोच्च संस्था की गरिमा अक्षुण्ण रह सके।

बोध गया विश्व के लिए शांति का प्रतीक है । पूरी दुनिया में शांति और ज्ञान की रौशनी फैलाने वाले महाबोधी मंदिर पर हमला करने वाले राजद्रोही एवं देशद्रोही हैं । हम सभी एक स्वर से इस घटना की निन्दा करते हैं ।

पूर्व की भांति सदन में प्रश्नोत्तर-काल आकाशवाणी और दूर-दर्शन से सीधा एवं डेफर्ड प्रसारण कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे बिहार के आम-अवाम सदन में आपकी गतिविधियों से रू-ब-रू हो सकेंगे । बिहार विधान सभा की कार्यवाही को जन-जन तक पहुंचाने के लिए बिहार विधान सभा ने वर्त्तमान सत्र से webcast सेवा प्रारम्भ की है जिसे webcast.gov.in/biharvs पर देखा जा सकता है ।

मुझे आशा और विश्वास है कि सदन के संचालन में आप सभी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा ।